



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यसासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 2 अगस्त, 1994/11 श्रावण, 1916

हिमाचल प्रदेश सरकार

REVENUE DEPARTMENT

CORRIGENDUM

Shimla-171002, the 22nd July, 1994

No. Rev. 2-A (4) 2/93.—In continuation of this Department Notification of even number, dated 7th January, 1994, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the following amendments in the Annexure attached with notification, referred to above :—

- (1) In Sub para (iii) of para (i) the last two lines commencing from the words "same rate" be deleted and the words "at the rate of Rs. 100/- (Rupees one hundred) per day may be substituted".
- (2) In Sub para (i) of para (2) the words "at the highest rates as admissible to a Government servant of the first grade for the respective locality" be substituted by the words "at the rate of Rs. 100/- (Rupees one hundred)".

By order,

P. T. WANGDI,

Financial Commissioner-cum-Secretary.

IRRIGATION AND PUBLIC HEALTH DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 25th July, 1994

No. PSW(PH)-A(4)-2/92-Vol-IV.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to constitute a high level technical committee consisting of the following with immediate effect :—

- | | |
|--|----------------------|
| 1. Engineer-in-Chief (IPH) | .. Chairman |
| 2. Chief Engineer (IPH) North | .. Member |
| 3. Joint Director of Agriculture Shimla, Himachal Pradesh | .. Member |
| 4. Deputy Director, Project and Planning, Horticulture Department, Himachal Pradesh | .. Member |
| 5. Head of Department Soil and Management Department HPKV, Palampur | .. Member |
| 6. Head of Department of Agronomy, HPKV Palampur | .. Member |
| 7. Head of Department of Soil and Water Management Department, Forestry and Horticulture University, Solan | .. Member |
| 8. Head of Department Horticulture and Orchard Management, Forestry and Horticulture University, Solan | .. Member |
| 9. S. E. P&I-II (IPH) South | .. Member-Secretary. |

The above said committee will review the norms for duty of irrigation in the Pradesh by holding regular meetings and submit its report at an early date TA/DA to be borne by the Parent Department/University.

By order,

O. P. YADAV,

Financial Commissioner-cum-Secretary.

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग

हरियाणा शाखा

शिमला-2, 27 जुलाई, 1994

संख्या पीओसी0एच0-एच0 ए0 (5).—जिला नक़्शेक्षण अधिकारी (पंचायत) जिला सिरमौर द्वारा ग्राम पंचायत वीर विक्रमबाग की प्रारम्भिक छानबीन की रिपोर्ट के आधार पर श्री मुख्तार राम प्रधान ग्राम पंचायत वीर विक्रमबाग, विभागत खण्ड ताहल की जवाहर रोजगार योजना की राशि के छलहरण व अनियमित एवं अनुधिकृत तौर पर राशि अपने पास रखने के निम्न आरोपों में संलग्न पाए गए हैं:—

1. यह कि वर्ष 1991-92 में जवाहर रोजगार योजना के शैल में अनुमोदित व तकनीकी रूप से मुल्यांकित की गई राशि से मू0 1735890 अनियमित रूप से अश्विक व्यय करके श्री मुख्तार राम प्रधान ने प्रधान पद का दुलपयोग किया है तथा जवाहर रोजगार योजना की राशि का छलहरण किया है।

2. यह कि मु० 38,000 की जवाहर रोजगार योजना की राशि दिनांक 27-3-92 से 30-3-93 तक श्री मुन्शी राम प्रधान ने पेशगी के रूप में अनियमित एवं अनाधिकृत रूप से अपने पास रख कर राशि के दुरुपयोग करने के दोषी पाए गए हैं।
3. यह कि जवाहर रोजगार योजना की मु० 13,500 की राशि दिनांक 3-4-93 से अनाधिकृत रीति से पेशगी के रूप में अपने पास निरन्तर रखने के दोषी पाए गए हैं।
4. यह कि मु० 28,500 रु० जवाहर रोजगार योजना की राशि दिनांक 3-4-93 से 22-5-93 तक पेशगी के रूप में अपने पास अनाधिकृत रूप से रखने के दोषी पाए गए हैं।
5. यह कि दिनांक 7-2-92 को ग्राम पंचायत बैठक की कार्यवाही समाप्त होने के पश्चात कार्यवाही रजिस्टर में प्रस्ताव नं० 4 बैंक से राशि निकालने वाले सचिव से लिखवा कर इस अवैध एवं फर्जी प्रस्ताव की प्रतिलिपि बैंक में प्रस्तुत करके दिनांक 25-3-92 को बैंक नं० 299937 द्वारा मु० 20,000 तथा दिनांक 27-3-92 को बैंक नं० 299938 द्वारा मु० 22000 (कुल 42,000 रुपये) हिमाचल प्रदेश स्टेट सहकारी बैंक शाखा नाहन से श्री तारा सिंह तत्कालीन सचिव द्वारा निकाली गई जिनमें से श्री मुन्शी राम प्रधान ने दिनांक 25-3-92 को मु० 20,000/- और दिनांक 28-3-92 को मु० 18,000/- (कुल 38,000/-) पेशगी के रूप में अनाधिकृत रूप से प्राप्त किए। श्री मुन्शी राम प्रधान ने पंचायत सचिव से मिली भगत करके कार्यवाही समाप्त होने के पश्चात अवैध प्रस्ताव लिखवाने, बैंक से अनाधिकृत रूप से राशि निकालने और राशि को अग्रिम रूप से अपने पास रख कर धन राशि का दुरुपयोग करने व प्रधान पद का दुरुपयोग करने के दोषी पाए गए हैं।

उपरोक्त वर्णित आरोपों में तथ्यों की वास्तविकता को जानने व मामले में पूरी स्थिति सामने लाने के लिए सरकार द्वारा नियमित जांच करवाने का जनहित में निर्णय लिया गया है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल उन शक्तियों के अधीन जो कि उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 146 के अधीन प्रदत्त है, का प्रयोग करते हुए श्री मुन्शी राम प्रधान ग्राम पंचायत वीर विक्रमवाग, विकास खण्ड नाहन के विरुद्ध उप-मण्डलाधिकारी (ना०) नाहन को जांच अधिकारी नियुक्त करने के सहर्ष आदेश देते हैं। साथ ही पंचायत निरीक्षक विकास खण्ड नाहन को प्रस्तुत कर्तव्य भी नियुक्त किया जाता है जो कि पंचायत का रिकार्ड के साथ-साथ सरकार का पक्ष भी रखेंगे।

हस्ताक्षरित/-
अतिरिक्त सचिव,
ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज,
हिमाचल प्रदेश।